हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
(Established under Central Universities Act 2009)
अस्थाईशैक्षणिकखण्ड, शाहपुर, ज़िलाकाँगड़ा, हिमाचलप्रदेश - 176206
Temporary Academic Block, Shahpur ,Distt. Kangra (HP) - 176206
Website: www.cuhimachal.ac.in

फाइल संख्या: IQAC/1-1/CUHP/2020/709-722 दिनांक : 01. 10. 2020

बैठक के कार्यवृत्त

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर में 15 सितंबर, 2020 को पूर्वाहन 11:00 बजे आंतरिक गुणवत्ता ~~आश्वासन सेल~~ सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) की बैठक आयोजित की गई | IQAC के अध्यक्ष माननीय कुलपति महोदय, किसी कारणवश बैठक में शामिल नहीं हो सके | आरम्भ में निदेशक, IQAC ने सभी सदस्यों का परिचय दिया और उनका स्वागत किया इसी के साथ बैठक को आगे संचालित करने की अनुमति दी गई | बैठक में उपस्थित होने वाले सदस्यों की सूचि निम्नलिखित है:

1. प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन - निदेशक, IQAC
2. श्री नरेंदर ठाकुर, वित्त अधिकारी, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय |
3. प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता, जैविक विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. |
4. प्रो. हुम चन्द, अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि. |
5. प्रो. संदीप सूद, निदेशक कंप्यूटर केंद्र, हि.प्र.के.वि.|
6. प्रो. नारायण सिंह राव, अध्यक्ष इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, हि.प्र.के,वि. |
7. डॉ. सुमन शर्मा, अधिष्ठाता, पर्यटन यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल हि.प्र.के.वि. |
8. डॉ. सुनील कुमार, अध्यक्ष जैविक विज्ञान स्कूल, हि.प्र.के.वि.|
9. डॉ. महेश कुल्हारिया, निदेशक, जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग, हि.प्र.के.वि. |
10. सुश्री प्रकृति भार्गव, प्रतिनिधित्व अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल, हि.प्र.के.वि. |
11. डॉ. चंद्रकांत सिंह, प्रतिनिधित्व अधिष्ठाता, भाषा स्कूल हि.प्र.के.वि. |
12. डॉ. राजेन्द्र कुमार, अध्यक्ष रसायन विज्ञान विभाग हि.प्र.के.वि. |
13. डॉ. डिम्पल पटेल, अध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग हि|.वि.के.प्र.

आंतरिक गुणवत्ता ~~आश्वासन सेल~~ सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC) के सभी सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक गतिविधियों की गुणवत्ता में सुधार के बारे में चिंतित हैं ताकि-एनआईआरएफ (NIRF) और नैक (NAAC) रैंक में सुधार किया जा सके । NIRF और NAAC में विश्वविद्यालय के निम्न श्रेणी के लिए कौन कौन से कारण जिम्मेदार हैं इससे सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई । विश्वविद्यालय में NIRF/NAAC की रैंकिंग में सुधार के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है:

समिति ने सर्वसम्मति से निम्नलिखित की सिफारिश की -:

1. विश्वविद्यालय में सभी गैर-शैक्षणिक पदों को भरने एवं पारदर्शिता के लिए शीघ्रातिशीघ्र आंतरिक लेखा परीक्षक का पद भरा जाये ।
2. अकादमिक लेखा परीक्षा समिति को नियमित अकादमिक लेखा परीक्षक की आवश्यकता है|
3. काम के समयबद्ध वितरण के लिए फ़ाइल पर काम करने वाले प्रत्येक स्टाफ सदस्य की कार्य के प्रति जवाबदेही तय की जानी चाहिए, क्योंकि अधिकतर पाया गया है कि समय पर फाइलों को निपटाया नहीं जाता है और इस कारण प्रक्रिया में देरी होती है।
4. किसी भी आउटसोर्स कर्मचारी के बजाय एक नियमित गैर शिक्षण कर्मचारी को-SAMARTH PORTAL के तहत फ़ाइलों को सुचारू रूप से चलाने और प्रसंस्करण के लिए जैसे पोर्टलों में संलग्न होना "समर्थ" चाहिए।
5. विश्वविद्यालय को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे कि ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम, सरकार की मान्यता प्राप्त बड़े शहरों के अस्पतालों में बड़ी-बड़ी बिमारियों का इलाज करने के लिए विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन होना चाहिए, ताकि सभी कर्मचारी इससे लाभान्वित हो सकें |
6. सीजीएचएस सुविधा को हि.प्र.के.वि. के कार्यरत कर्मचारियों एवं हि.प्र.के.वि. के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए कार्यान्वित किया जाना चाहिए।
7. विभागीय कामकाज के लिए एवं IQAC सेल को सुचारू रूप से चलाने के लिए नियमित लिपिक की नियुक्ति की जानी चाहिए |
8. यूनिवर्सिटी में ईआरपी सिस्टम होना चाहिए।
9. प्रत्येक परिसर में एनसीसी और एनएसएस का कार्यक्रम अधिकारी होना चाहिए। रजिस्ट्रार के कार्यालय को विश्वविद्यालय में एनसीसी इकाई बनाने के लिए एनसीसी कार्यालय से संपर्क करना चाहिए।
10. विश्वविद्यालय को कागज रहित कार्य के लिए आगे बढ़ना चाहिए ताकि विश्वविद्यालय के समस्त परिसर कार्बन मुक्त एवं हरियाली से परिपूर्ण हों |
11. विश्वविद्यालय की गुणवत्ता में सुधार के लिए छात्रों, उनके माताऔर अन्य हितधारकों से पिता-फीडबैक लेना चाहिए ।
12. विश्वविद्यालय में छात्र संघ की नियमित वार्षिक बैठक आयोजित करने की आवश्यकता है |
13. व्यावसायिक विकास निधि को विभागवार निर्धारित किया जाना चाहिए और इसे संबंधित विभागों को सूचित किया जाना चाहिए ताकि छात्रों के व्यावसायिक विकास के लिए विभाग द्वारा इसे खर्च किया जा सके ।
14. निरंतर खर्च के लिए प्रत्येक विभाग को बजट का आवंटन बार्षिक आधार पर आवर्ती और गैरआवर्ती - प्रमुखों-बजटसे होना चाहिए |

15. विश्वविद्यालय में कार्यशाला के दौरान जो वक्ता आमंत्रित किये जाते हैं उनके लिए विभाग के पास विशिष्ट वित्तीय आवंटन होना चाहिए, ताकि उनकी यात्रा संगोष्ठी कार्यशाला या अन्य / शैक्षणिक गतिविधियोंपर आने वाले व्यय का भुगतान समय पर किया जा सके |
16. सदस्यों द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया कि विश्वविद्यालय के पास डिजिटल पैड की सुविधा होनी चाहिए, क्योंकि वर्तमान में विश्वविद्यालय में ऑनलाइन शिक्षा चल रही है इसलिए डिजिटल पैड के बिना समीकरणों और रेखा चित्रों की व्याख्या करना मुश्किल है |
17. एमओई और यूजीसी के विनियमन के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी सामाजिक उद्देश्यों के लिए बजट का प्रावधान निर्धारित करना चाहिए |
18. विश्वविद्यालय में पर्यटन विभाग के साथ बनाने का प्रस्ताव भी "हाउस ट्रैवल डेस्क-यूनिवर्सिटी इन" किया गया हैजिसके अंतर्गत आधिकारिक काम के लिए बाहर जाने वाले सभी मेहमान/फैकल्टी और सीयूएचपी के संकाय सदस्यों के लिए होटल की बुकिंग और टिकट बुक करना होगा |
19. शैक्षणिक कैलेंडर में राष्ट्रीय स्तर पर खेल गतिविधियों और त्योहारों का उल्लेख किया जाना चाहिए। उत्कृष्ट खेल व्यक्तियों को उनकी खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए |
20. विभागवार पुस्तकालय का प्रावधान होना चाहिए और उसके लिए धन का आवंटन अलग से होना चाहिए।
21. डिजिटल ई संसाधनों-का प्राथमिकता आधार पर प्रावधान होना चाहिए।
22. विश्वविद्यालय को किसी भी काम को अविलम्ब करने के लिए जैसे की कार्ट्रिज भरने, नाम पट्टिका के निर्माण, पहचान पत्र आदि बनवाने के लिए दर अनुबंध होना चाहिए।
23. सभी छात्रावासों और परिसरों में वेब कैम की स्थापना आवश्यक है
24. संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला और सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त धनराशि प्रदान की जानी चाहिए |
25. भारत और विदेश में शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा अनुदान भी दिया जाना चाहिए।
26. प्रत्येक परिसर में प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने के लिए उच्च पद के प्रशासनिक व्यक्ति होने चाहिए |
27. IQAC की वार्षिक रिपोर्ट के लिए डेटा संकलन करने के लिए मुख्य समूह (Core Group) बनाने की आवश्यकता है।
28. शिक्षाविदों/शोधकर्ताओं, संस्थानों, नवप्रवर्तकों और उद्योग के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तंत्र विकसित किया जाना आवश्यक है |
29. उद्योग और इसके विपरीत शिक्षा के बीच विशेषज्ञों की गतिशीलता को सुगम बनाने की आवश्यकता है
30. हि.प्र.के.वि. के AC/EC के माध्यम से विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए एक विधिवत अनुमोदित तंत्र होना चाहिए |

31. विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय और उद्योग के बीच छात्रों और शिक्षाविदों के विनिमय कार्यक्रमों के लिए व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए |
32. विश्वविद्यालय प्राधिकरणों द्वारा भारत और विदेश में अन्य अच्छे विश्वविद्यालयों के साथ छात्र और संकाय विनिमय के लिए मानदंडों का फैसला किया जाना चाहिए।
33. विश्वविद्यालय को विदेशी छात्रों को प्रवेश देने के लिए तंत्र विकसित करना चाहिए।
34. विशेषाधिकार प्राप्त छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं/उपचारात्मक कक्षाएं/कोचिंग लेना आदि शामिल किए जाने की आवश्यकता है ।
35. सप्तसिंधु परिसर देहरा में न्यूनतम ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना जैसे बैठने की व्यवस्था, कंप्यूटर, प्रिंटर फोटोकॉपी प्रदान करने की आवश्यकता है। /
36. सप्तसिंधु परिसर देहरा में अधिष्ठाता/विभागों में स्थायी कर्मचारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।
37. अनुसंधान संस्कृति को बढ़ाने के लिए और नई शिक्षा नीति 2020 की तर्ज पर लाने के लिए संकाय के लिए तीन लाख रुपये की छोटी छोटी परियोजनाएं शुरू की जानी चाहिए।

डॉ सुमील कुमार .	**डॉ संदीप सूद .**	**डॉ. राजेंदर कुमार**	**डॉ डिंपल पटेल .**	**डॉ. महेश कुलश्रेष्ठा**
अतिथि सदस्य	अतिथि सदस्य	अतिथि सदस्य	अतिथि सदस्य	अतिथि सदस्य
श्री नरेंद्र कुमार	**डॉ. डी.के. शर्मा**	**डॉ. चंद्रकांत सिंह**	**डॉ प्रकृति भार्गव .**	
सदस्य	सदस्य	अतिथि सदस्य	अतिथि संदस्य	
प्रो. नारायण सिंह राव	**प्रो. हुम चंद**	**प्रो. प्रदीप कुमार**	**डॉ. सुमन शर्मा**	
सदस्य	सदस्य	सदस्य	सदस्य	

प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन
निदेशक (IQAC)
हि.प्र.के.वि., अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर